# SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

## हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

## कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

---

## SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC) PREPARED FOR THE POOL OF COURSES

| वर्ष | सत्रार्द्ध | प्रश्नपत्रों की सूची | कोर्स | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| द्वितीय वर्ष | तृतीय सत्रार्द्ध | हिन्दी में भाषा कम्प्यूटिंग एवं संचार | SEC 1 | 2 |
| | | अथवा | SEC 2 | 2 |
| | | रचनात्मक लेखन का परिचय | | |
| द्वितीय वर्ष | चतुर्थ सत्रार्द्ध | प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं शासकीय पत्र लेखन | SEC 3 | 2 |
| | | अथवा | SEC 4 | 2 |
| | | विज्ञापन लेखन | | |
| तृतीय वर्ष | पंचम सत्रार्द्ध | सोशल मीडिया लेखन | SEC 5 | 2 |
| | | अथवा | SEC 6 | 2 |
| | | पटकथा लेखन | | |
| तृतीय वर्ष | षष्ठ सत्रार्द्ध | कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा | SEC 7 | 2 |
| | | अथवा | SEC 8 | 2 |
| | | गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति | | |

# हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

## SEMESTER – III

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the Course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **हिन्दी में भाषा कम्प्यूटिंग एवं संचार** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study | | |
|---|---|---|
| Programme: – Hindi | Year: II | Semester:III Paper-SEC |
| Course Code: SEC[1] | Course Title: **हिन्दी में भाषा कम्प्यूटिंग एवं संचार** | |

**Learning Objectives :**

1. भाषा कम्प्यूटिंग की मूल बातों को समझना ।
2. कंप्यूटर पर भाषा का उपयोग करना और इसके लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर का उपयोग करना।
3. भाषा संचार की मूल बातों को समझना, जैसे कि संचार के मॉडल, संचार के तरीके और संचार के बाधाएँ।
4. भाषा कम्प्यूटिंग और संचार के अनुप्रयोगों को समझना, जैसे कि भाषा अनुवाद, भाषा संशोधन और भाषा विश्लेषण।

**Learning Outcomes:**

1.शिक्षार्थी हिन्दी भाषा की कम्प्यूटिंग यथा टाइपिंग, फांट प्रबन्धन, वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग का ज्ञान प्राप्त करता है।

2.शिक्षार्थी मीडिया यथा प्रेस, रेडियो, टी.वी. वीडियो, इंटरनेट आदि के क्षेत्र में लेखन-सम्पादन सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करता है।

| | | |
|---|---|---|
| 3. शिक्षार्थी जनसंचार माध्यमों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है। | | |
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):** | | |
| **Unit** | **Topic** | **No. of Lectures** |
| **Unit I** | भाषा कम्प्यूटिंग : डेटा, वर्ड प्रोसेसिंग, फांट प्रबंधन, यूनिकोड हिन्दी फांट | **12** |
| **Unit II** | संचार : स्वरूप, कार्यक्षेत्र व प्रकार, जनसंचार और भाषा | **12** |
| | Class Room Lectures (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | **06** |

**Suggested Readings**


1. प्रयोजनमूलक हिन्दी :विविध सन्दर्भ–प्रो.निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी
2. हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी)- डॉ. शंकरक्षेम एवं डॉ. कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली,
4. प्रयोजनमूलक हिंदी:सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
5. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. रमाप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली
6. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन- डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन
7. कामकाजी हिंदी- डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन दिल्ली


**PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES**

1. हिंदी यूनिकोड टाइपिंग में स्वरोजगार।
2. कार्यालयों में हिंदी कम्पयूटर टाइपिस्ट आउटसोर्स कर्मी के रूप में सम्भावना।
3. संचार माध्यमों यथा वेब पोर्टल आदि में सम्भावनाएं।

**अथवा**

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course(if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **रचनात्मक लेखन का परिचय** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study | | |
|---|---|---|
| Programme: – Hindi | Year: II | Semester:III Paper-SEC |
| Course Code: SEC[2] | Course Title: **रचनात्मक लेखन का परिचय** | |

**Learning Objectives :**

1. रचनात्मक लेखन की अवधारणा और स्वरूप को स्पष्ट करना
2. किसी रचना में भाव व विचार के रूपांतरण की प्रक्रिया का बोध कराना
3. साहित्य एवं पत्रकारिता जैसे अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना
4. विज्ञापन के बारे में परिचय कराना

**Learning Outcomes:**

1.शिक्षार्थी रचनात्मक लेखन का ज्ञान अर्जित करता है।
2.शिक्षार्थी अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचित होता है।
3.शिक्षार्थी गद्य की विविध अभिव्यक्तियों का ज्ञान प्राप्त करता है।

| |
|---|
| 4.शिक्षार्थी का विज्ञापन के विविध पक्षों से परिचय होता है। |

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):**

| Unit | Topic | No. of Lectures |
|---|---|---|
| Unit I | **रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप** | 06 |
| Unit II | **भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया** | 06 |
| Unit III | **विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता** | 06 |
| Unit IV | **विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां** | 06 |
| | Class Room Lectures (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | 06 |

**Suggested Readings**


1. रचनात्मक लेखन : सम्पादक-रमेश गौतम
2. रचनात्मक लेखन : प्रतिभा व प्रवीन भारद्वाज
3.जनसंचार और रचनात्मक लेखन : आलोक रंजन पाण्डेय व हर्षित राज श्रीवास्तव
4. हिन्दी पत्रकारिता- विविध आयाम : वेद प्रकाश वैदिक
5. हिन्दी पत्रकारिता - सिद्धांन्त और स्वरूप : सविता चड्ढा


PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. रचनाकार
2. पत्रकार
3. विज्ञापन लेखक
4. कन्टेन्ट क्रिएटर

# हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

## SEMESTER - IV

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course(if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं शासकीय पत्र- लेखन** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| | | |
|---|---|---|
| Bachelor of in Multidisciplinary Study | | |
| Programme: – Hindi | Year: II | Semester: IV Paper-SEC |
| Course Code: SEC3 | Course Title: **प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं शासकीय पत्र-लेखन** | |

Learning Objectives :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की मूल बातों को समझना, जैसे पत्र लेखन, रिपोर्ट लेखन और प्रस्ताव लेखन।
2. शासकीय पत्र लेखन की मूल बातों को समझना, जैसे पत्र का प्रारूप, पत्र की भाषा और पत्र का उद्देश्य।
3. पत्र लेखन के प्रकार: पत्र लेखन के प्रकारों को समझना, जैसे औपचारिक पत्र, अनौपचारिक पत्र और व्यावसायिक पत्र।
4. पत्र लेखन के लिए आवश्यक कौशल: पत्र लेखन के लिए आवश्यक कौशलों को समझना, जैसे कि स्पष्टता, संक्षिप्तता और प्रभावशीलता।

Learning Outcomes:

| 1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।<br>2.शिक्षार्थी सामान्य कार्यालयी प्रयोजनों यथा कार्यालयी पत्राचार, प्रारूपण, टिप्पण आदि में हिन्दी के प्रयोग का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है। | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Topic** | **No. of Hours** |
| Unit I | **प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, रूप, विशेषताएं, प्रयुक्तियाँ, महत्व, उपयोगिता, सीमाएँ और सम्भावनाएँ** | 12 |
| Unit II | **पत्राचार : शासकीय पत्र, कार्यालय-ज्ञापन, ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, पृष्ठांकन, अधिसूचना, अनुस्मारक, प्रेस विज्ञप्ति, सूचना** | 12 |
| | (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | 06 |

## SUGGESTED READINGS


1.प्रयोजनमूलक हिन्दी :विविध सन्दर्भ – प्रो.निर्मला ढैला बोरा, देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी

2. हिंदी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिंदी) - डॉ. शंकरक्षेम एवं डॉ. कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली

3. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली,

4. प्रयोजनमूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन

5. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. रमाप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली

6. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन- डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन


## PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. शासकीय/अशासकीय कार्यालयों में आउटसोर्स कर्मी के रूप में सम्भावना।

2. शासकीय/ अशासकीय कार्यालयों में कार्य करने हेतु हिंदी शासकीय पत्राचार अनिवार्य होता है, अतः स्थायी-अस्थायी शासकीय नियुक्ति हेतु कौशल में संवर्द्धन तथा सम्भावना ।

**अथवा**

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course(if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **विज्ञापन लेखन** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study | | |
|---|---|---|
| Programme: – Hindi | Year: II | Semester:IV Paper-SEC |
| Course Code: SEC4 | Course Title: **विज्ञापन लेखन** | |

Learning Objectives :

1. रचनात्मक विधा के रूप में विज्ञापन से परिचय कराना
2. रेडियो विज्ञापन के विविध पक्षों का ज्ञान कराना
3. टी.वी. विज्ञापनों के विविध पक्षों का ज्ञान कराना
4. सोशल मीडिया पर विज्ञापनों एवं विज्ञापन कानून से परिचय कराना

Learning Outcomes:

1.शिक्षार्थी विज्ञापन के बारे में ज्ञान अर्जित करता है।

2.शिक्षार्थी समाचारपत्र, रेडियो, टेलीविजन हेतु विज्ञापन से परिचित होता है।

3.शिक्षार्थी श्रव्य एवं दृश्य माध्यमों का ज्ञान प्राप्त करता है।

| |
|---|
| 4.शिक्षार्थी पत्रकारिता के विविध पक्षों से परिचय होता है।<br>5.शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है। |
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):** |

| Unit | Topic | No. of Lectures |
|---|---|---|
| Unit I | **विज्ञापन की परिभाषा, विशेषता, कार्य, प्रकार, समाचारपत्र हेतु विज्ञापन** | 06 |
| Unit II | **रेडियो विज्ञापन लेखन, रेडियो विज्ञापन की विशेषता, भाषा-शैली** | 06 |
| Unit III | **टेलीविजन विज्ञापन लेखन, टेलीविजन विज्ञापन की विशेषता, भाषा- शैली** | 06 |
| Unit IV | **फेसबुक विज्ञापन, विज्ञापन कानून, आचार संहिता** | 06 |
| | Class Room Lectures (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | 06 |

**Suggested Readings :**


1. हिन्दी विज्ञापन-संरचना और प्रभाव : डॉ. सुमित मोहन
2. विज्ञापन- व्यवसाय एवं कला : डॉ. रामचंद्र तिवारी
3. विज्ञापन और हिन्दी भाषा : नरेन्द्र कुमार
4. हिन्दी विज्ञापनों का पहला दौर : आशुतोष पार्थेकर
5. फेसबुक एडवर्टाइजिंग : वैली बाक्स


PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. कॉपी राइटर
2. विज्ञापन विशेषज्ञ
3. विज्ञापन लेखक
4. मीडिया प्लानर

# हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

## SEMESTER – V

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course(if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **सोशल मीडिया लेखन** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study | | |
|---|---|---|
| Programme: – Hindi | Year: III | Semester:V Paper-SEC |
| Course Code: SEC5 | Course Title: **सोशल मीडिया लेखन** | |

Learning Objectives :

1. सोशल मीडिया के स्वरूप, कार्य एवं प्रकार से परिचय कराना।
2. सोशल मीडिया के महत्व को उजागर करना।
3. सोशल मीडिया पर लेखन हेतु महत्वपूर्ण बिन्दु प्रस्तुत करना।
4. ट्रोलिंग की समस्या के विविध पक्षों से अवगत कराना।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का ज्ञान अर्जित करता है।

2. शिक्षार्थी भाषा के विविध रूपों से परिचित होता है।
3. शिक्षार्थी श्रव्य एवं दृश्य माध्यमों का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पत्रकारिता के विविध पक्षों से परिचय होता है।
5. शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):**

| Unit | Topic | No. of Lectures |
|---|---|---|
| Unit I | **सोशल मीडिया : स्वरूप, कार्य, प्रकार** | 06 |
| Unit II | **सोशल मीडिया : व्यावसायिक महत्व, दुष्प्रभाव** | 06 |
| Unit III | **सोशल मीडिया लेखन हेतु महत्वपूर्ण बिन्दु, सुझाव, ब्लॉगिंग** | 06 |
| Unit IV | **ट्रोलिंग, समस्याएं, समाधान** | 06 |
| | Class Room Lectures (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | 06 |

**Suggested Readings :**


1.सोशल मीडिया इन इंडिया : इसूज एण्ड चैलेन्जेज : फ्रैन्सिस फिलिप बारक्ले
2. सोशल मीडिया मारकेटिंग : शिवसिंह
3. बनिए सोशल मीडिया मिलियनेयर : दीपक बजाज
4. रिमोट - द सोशल मीडिया वॉर : हरीश पपनै
5. द आर्ट ऑफ सोशल मीडिया : गय कावासाकी
6. सोशल मीडिया और हिन्दी : डॉ. कल्पना गवली


PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. सोशल मीडिया मैनेजर
2. कंटेन्ट क्रिएटर
3. सोशल मीडिया स्ट्रेटजिस्ट 4. सोशल मीडिया एनलिस्

## अथवा

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course(if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **पटकथा लेखन** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study | | |
|---|---|---|
| Programme: – Hindi | Year: III | Semester:V Paper-SEC |
| Course Code: SEC6 | Course Title: **पटकथा लेखन** | |

Learning Objectives :

1. पटकथा के स्वरूप, प्रकार आदि का परिचय प्रदान करना
2. पटकथा से संबन्धित विविध शब्दावलियों का ज्ञान कराना
3. टेलिविजन तथा फिल्म हेतु पटकथा लेखन की प्रक्रिया का ज्ञान कराना
4. पटकथा युक्त वेबसीरीज, सोपऑपेरा आदि के बारे में विस्तृत बोध कराना

Learning Outcomes:

1 शिक्षार्थी पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से परिचित होता है।

2.शिक्षार्थी टेलीविजन तथा फिल्म के लिए पटकथा लेखन से परिचित होता है।

3.शिक्षार्थी के अन्दर अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है।

| | | |
|---|---|---|
| 4.शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है।<br>5.शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है। | | |
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):** | | |
| **Unit** | **Topic** | **No. of Lectures** |
| **Unit I** | **पटकथा : स्वरूप, पटकथा के तत्व, प्रकार** | **06** |
| **Unit II** | **पटकथा की शब्दावली : आइडिया, प्रीमाइज, टू मिनट मूवी, ट्रीटमेन्ट,स्टेप आउटलाइन, आर्कटाइप, स्टीरियोटाइप, तीन अंक(सेटअप, टकराहट, समाधान)** | **06** |
| **Unit III** | **टेलीविजन तथा फिल्म के लिए पटकथा लेखन** | **06** |
| **Unit IV** | **वेबसीरीज, सोप ऑपेरा, वृत्तचित्र, डाक्यूड्रामा** | **06** |
| | Class Room Lectures (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | **06** |

**Suggested Readings**


1.पटकथा कैसे लिखें : राजेन्द्र पांडेय, वाणी प्रकाशन दिल्ली- 2015

2. पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली -2000

3. कथा-पटकथा : मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन दिल्ली- 2014

4. आईडिया से पर्दे तक : रामकुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली -2021


PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. धारावाहिक पटकथा लेखक
2. फिल्म पटकथा लेखक
3. वेबसीरीज, सोप ऑपेरा पटकथा लेखक
4. वृत्तचित्र, डाक्यूड्रामा पटकथा लेखक

# हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

## SEMESTER – VI

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course(if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| | | |
|---|---|---|
| Bachelor of in Multidisciplinary Study | | |
| Programme: – Hindi | Year: III | Semester:VI Paper-SEC |
| Course Code: SEC7 | Course Title: **कुमाउनी संस्कृति एवं भाषा** | |

**Learning Objectives :**

1.भाषा और संस्कृति के संबन्धों पर प्रकाश डालना

2. कुमाउनी भाषा की मूल बातों को समझना, जैसे वर्णमाला, व्याकरण और शब्दावली।

3. कुमाउनी संस्कृति की परिचय प्राप्त करना, जैसे त्योहार, रीति-रिवाज और परंपराएँ।

4. कुमाउनी लोकगीत और लोकनृत्य को समझना और उनका महत्व जानना।

5. कुमाउनी भोजन और पेय को समझना और उनका महत्व जानना।

**Learning Outcomes:**

1. शिक्षार्थी संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।

2. शिक्षार्थी स्थानीय सांस्कृतिक परम्पराओं से परिचित होता है।

| 3. शिक्षार्थी कुमाउनी संस्कृति के विवधि पक्षों से परिचित होता है।<br>4. शिक्षार्थी कुमाउनी के सामान्य व्याकरण तथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है। | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Topic** | **No. of Hours** |
| Unit I | **संस्कृति : अर्थ एवं स्वरूप और स्थानीय संस्कृतियाँ, कुमाउनी संस्कृति का परिचय एवं विविध पक्ष** | 06 |
| Unit II | **कुमाउनी भाषा : परिचय एवं स्वरूप, कुमाउनी भाषा के विविध रूप** | 06 |
| Unit III | **कुमाउनी का सामान्य व्याकरण– वर्णमाला, शब्द रचना आदि** | 06 |
| Unit IV | **सांस्कृतिक क्षरण की समस्या एवं संरक्षण के उपाय** | 06 |
| | (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | 06 |

**Suggested Readings**


1. कुमाउनी संस्कृति – डॉ. देव सिंह पोखरिया (श्री अल्मोड़ा बुक डिपो)
2. कुमाउनी लोक संस्कृति के विविध आयाम – अनिल कार्की (समय साक्ष्य, देहरादून)
3. उत्तराखंड के लोकोत्सव एवं पर्वोत्सव – प्रो. डी.डी. शर्मा
4. कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति – केशव दत्त रूवाली (श्री अल्मोड़ा बुक डिपो)
5. कुमाउनी भाषा एवं संस्कृति – डॉ. शशि पांडे (देवभूमि प्रकाशन, हल्द्वानी)


**Important Web Links**

1. https://youtube.com/@myorpahadmeripachhyaan561?feature=shared
2. https://kumauniarchives.com/
3. https://ignca.gov.in/coilnet/utrn..36.htm
4. https://www.jaidevbhumi.com/2.24/.3/history-of-kumaoni-folk-literature.html?m=1
5. https://www.kumauni.in/2.21/.9/article-about-kumaoni-literature-and-society.html?m=1
6. https://www.kumauni.in/p/blog-page_87.html#google_vignette

PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. ट्रान्सलेटर 2. लैंग्वेज टीचर 3. लैंग्वेज एनालिस्ट 4. टूरिस्ट गाइड 5. ट्रैवल एडवाइजर

**अथवा**

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITYAND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

| Course Title | Credits | Credit distribution of the Course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course(if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practice | | |
| SEC : **गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति** | 2 | 1 | --- | 1 | Class XII | Nil |

| Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study | | |
|---|---|---|
| Programme: – Hindi | Year: III | Semester:VI Paper-SEC |
| Course Code: SEC8 | Course Title: **गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति** | |

Learning Objectives :

1. भाषा और संस्कृति के संबन्धों पर प्रकाश डालना
2. गढ़वाली भाषा के परिचय के साथ गढ़वाली के विविध रूपों से परिचित कराना
3. गढ़वाल की भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचय कराना
4. गढ़वाली लोकगीत, लोकगाथा, लोकसंगीत, लोकनृत्य आदि के बारे में अध्ययन
5. सांस्कृतिक क्षरण की समस्या का अध्ययन एवं संरक्षण के उपाय

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी भाषा और संस्कृति का ज्ञान अर्जित करता है।
2. शिक्षार्थी स्थानीय परंपराओं और रिवाजों से परिचित होता है।

| |
|---|
| 3. शिक्षार्थी गढ़वाली भाषा के उद्भव व उसके विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।<br>4. शिक्षार्थी गढ़वाली संस्कृति के विविध पक्षों से परिचय होता है।<br>5. शिक्षार्थी का गढ़वाल में रोजगार हेतु कौशल संवर्धन होता है। |
| **Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):** |

| Unit | Topic | No. of Lectures |
|---|---|---|
| Unit I | **गढ़वाली भाषा का परिचय, विकास, विविध रूप** | 06 |
| Unit II | **गढ़वालः भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** | 06 |
| Unit III | **गढ़वाली लोकगीत, लोकगाथा, लोकसंगीत, लोकनृत्य आदि** | 06 |
| Unit IV | **सांस्कृतिक क्षरण की समस्या एवं संरक्षण के उपाय** | 06 |
| | Class Room Lectures (Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc) | 06 |

**Suggested Readings**


1. गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति – डॉ. मुक्तिनाथ यादव, लोकमित्र प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिमांचल दर्शन डॉ. शिवानंद नौटियाल
3. उत्तराखण्डः संस्कृति साहित्य और पर्यटन डॉ. हरिमोहन एवं डॉ. शिवप्रसाद नैथानी
4. भारतीय संस्कृति का संदर्भ मध्य हिमालय डॉ. गोविन्द चातक
5 गढ़वाली लोकगाथाएं डॉ. गोविन्द चातक
6. गढ़वाली लोकगीत विविधा-डॉ. गोविन्द चातक


PROBEBLE JOB PROSPECTS IN INDUSTRIES

1. ट्रान्सलेटर
2. लैंग्वेज टीचर
3. लैंग्वेज एनालिस्ट
4. टूरिस्ट गाइड
5. ट्रैवल एडवाइजर